अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-013

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 1

विशेषज्ञता विषय (विपणन) अंतरराष्ट्रीय विपणन

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : अंतरराष्ट्रीय विपणन का आशय स्पष्ट करें। अंतरराष्ट्रीय विपणन में विभिन्न बाधाओं के बारे में बताएँ।

प्रश्न 02 : "निर्यात करना विकसित एवं विकासशील देशों के लिए आवश्यक है" चर्चा करें।

प्रश्न 03 : "विज्ञापन आधुनिक व्यवसाय तथा वाणिज्य की धुरी है" इस वाक्य पर विस्तार से चर्चा करें।

प्रश्न 04 : वैश्वीकरण का अर्थ समझाते हुए इसके सकारात्मक पक्ष को स्पष्ट करें।

प्रश्न 05 : अंतरराष्ट्रीय विपणन में पैकेजिंग के महत्व को समझाइए।

प्रश्न 06 : बाजार विभक्तिकरण का आशय स्पष्ट करते हुए अंतरराष्ट्रीय व्यापार में इसके महत्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 07 : मुख्य निर्धारण प्रक्रिया में वस्तु की माँग का योगदान/महत्व समझाइए।

प्रश्न 08 : प्रलेख पोषण का आशय स्पष्ट करें। विदेशी विपणन में काम आने वाले पाँच महत्वपूर्ण प्रलेखों की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 09 : अंतरराष्ट्रीय विपणन में संप्रेषण के महत्व पर प्रकाश डालिए एवं संप्रेषण के विभिन्न तत्व समझाइए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) दोहा घोषणा पत्र

(ख) उत्पाद जीवन चक्र

(ग) हस्तांतरण मूल्य

(घ) प्रत्यक्ष निर्यात

♦ ♦ ♦

ज्ञान शांति मैत्री 2016
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
दूर शिक्षा निदेशालय

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-014

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 02

विशेषज्ञता विषय (विपणन)

विज्ञापन प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : विपणन में विज्ञापन की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 02 : विज्ञापन निर्माण के विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 03 : विज्ञापन प्रतिलिपि को परिभाषित कीजिए एवं इसके विभिन्न प्रकार को संक्षिप्त में समझाइए।

प्रश्न 04 : "विज्ञापन उत्पाद अथवा सेवा के लिए कंपनी के विचार प्रकट करता है" इस वाक्य को उदाहरण के साथ समझाइए।

प्रश्न 05 : विज्ञापन प्रबंध में इलेक्ट्रानिक मीडिया की भूमिका स्पष्ट करते हुए इसके लाभ समझाइए।

प्रश्न 06 : विज्ञापन एवं उपभोक्ता व्यवहार के बीच संबंध को उदाहरण के साथ समझाइए।

प्रश्न 07 : भूमंडलीकरण के दौर में अंतरराष्ट्रीय विज्ञापन की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 08 : विक्रय संवर्धन क्या है ? इसके विभिन्न प्रकार विस्तार से बताएँ।

प्रश्न 09 : विज्ञापन मीडिया के चयन को प्रभावित करने वाले कारकों (Factors) को स्पष्ट करें।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) विज्ञापन विषय सामग्री

(ख) माध्यम योजना (Media Planning)

(ग) विज्ञापन प्रभावशीलता मूल्यांकन

(घ) जनसेवा विज्ञापन

♦♦♦

ज्ञान शांति मैत्री 2016
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
दूर शिक्षा निदेशालय

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-015

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 03

विशेषज्ञता विषय (विपणन)

उपभोक्ता व्यवहार

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : संदर्भ समूह को परिभाषित करते हुए इसकी विशेषताओं का निरूपण कीजिए ।

प्रश्न 02 : "विक्रेताओं के लिए उपभोक्ता व्यवहार को समझना महत्वपूर्ण है"। इसकी समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 03 : उपभोक्ता अभिप्रेरण को परिभाषित कीजिए । बाजार के लिए इसकी उपयोगिता पर टिप्पणी कीजिए।

प्रश्न 04 : बाजार विभक्तीकरण को स्पष्ट करते हुए विभक्तीकरण के विभिन्न आधारों को वर्गीकृत कीजिए।

प्रश्न 05 : उपभोक्ता व्यवहार का विपणन नीतियों पर क्या प्रभाव पड़ता है ? उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 06 : उपभोक्ता खरीद प्रक्रिया पर संस्कृति एवं उपसंस्कृति के प्रभाव को समझाइए।

प्रश्न 07 : नवप्रवर्तन विपणन का क्या तात्पर्य है ? वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक दौर में इसके महत्व को समझाइए।

प्रश्न 08 : उपभोक्ता निर्णय प्रक्रिया को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 09 : परिवार को विश्लेषित करते हुए इसके प्रकारों एवं कार्यों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम (ख) क्रेता-व्यवहार एवं क्रय प्रक्रिया

(ग) प्राथमिक एवं द्वितीयक समूह (घ) उपभोक्ता व्यवहार : भारतीय परिदृश्य

♦♦♦

ज्ञान शांति मैत्री 2016
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
दूर शिक्षा निदेशालय

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-016

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र - 04

विशेषज्ञता विषय (विपणन)

ब्रांड प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : ब्राण्ड की व्याख्या करते हुए ब्राण्ड समता (Brand equity) की अवधारणा पर चर्चा कीजिए।

प्रश्न 02 : ब्राण्डिंग का उद्देश्य क्या है ? ब्राण्डिंग में उत्पन्न होने वाली बाधाओं के बारे में बताएँ।

प्रश्न 03 : ब्राण्ड निर्माण/ब्रांण्ड सृजन प्रक्रिया को उदाहरण के साथ विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 04 : ब्राण्ड सचेतता (Brand Awareness) में ई-विपणन की भूमिका को स्पष्ट करते हुए इसके लाभ एवं नुकसान पर चर्चा करें ?

प्रश्न 05 : भारतीय अर्थ व्यवस्था में ब्राण्ड की भूमिका को समझाइए।

प्रश्न 06 : ब्राण्ड की पहचान विकसित करने के लिए आवश्यक कारकों (Factors) को उदाहरण के साथ समझाइए।

प्रश्न 07 : ब्राण्ड के विभिन्न तत्वों (elements) को संक्षेप से समझाइए।

प्रश्न 08 : ब्राण्ड निर्माण के लिए आवश्यक उपायों को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 09 : ब्राण्ड निर्माण एवं ब्राण्ड अवस्थितिकरण की आवश्यकता को उदाहरण के साथ समझाइए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) ब्राण्ड विस्तार

(ख) ब्राण्ड सोपान श्रृंखला

(ग) ब्राण्ड एवं भूमंडलीकरण

(घ) ब्राण्ड अंकेक्षण

♦ ♦ ♦

ज्ञान शांति मैत्री 2016
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
दूर शिक्षा निदेशालय

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-017

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 01

विशेषज्ञता विषय (मानव संसाधन) औद्योगिक संबंध प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : औद्योगिक विवादों को रोकने तथा उनका निबटारा करने हेतु उपलब्ध तंत्रों को सूचीबद्ध करें एवं उनका विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 02 : सामूहिक सौदेबाजी का आशय स्पष्ट करें। उसके उद्देश्य एवं प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा करें।

प्रश्न 03 : श्रम संघ की परिभाषा लिखें। श्रम संघ अधिनियम 1926 की प्रमुख कमियों पर विस्तार से चर्चा करें।

प्रश्न 04 : अनुशासनात्मक कार्यवाही के सिद्धांतों का वर्णन विस्तार से करें। दण्ड के विभिन्न रूपों पर विस्तार से चर्चा करें।

प्रश्न 05 : औद्योगिक विवाद अधिनियम के अंतर्गत अधिनिर्णयन प्राधिकारियों को सूचिबद्ध करें। उनके कर्तव्य तथा शक्तियों का विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 06 : श्रम संघों के प्रमुख दायित्व को सूचीबद्ध करें। उन दायित्वों पर विस्तार से चर्चा करें।

प्रश्न 07 : सामूहिक सौदेबाजी की सफलता के लिए नितान्त आवश्यक दशाओं का विस्तार से वर्णन करें। सामूहिक समझौतों के प्रकार पर विस्तार से चर्चा करें।

प्रश्न 08 : कार्मिक परिवेदना निवारण का आशय स्पष्ट करते हुए परिभाषित करें। परिवेदन निवारण पद्धति का महत्व एवं उसके प्रभावों का विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 09 : अनुशासन का आशय स्पष्ट करें। "कर्मचारी अनुशासन से संगठन पर अच्छा प्रभाव पड़ता है।" इस वाक्य पर विस्तार से चर्चा करें।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) औद्योगिक विवाद के परिणाम

(ख) श्रमिक क्षतिपूर्ति संशोधित अधिनियम 1984

(ग) भारत में सहभागिता विचारधारा का विकास (घ) श्रम संघ के तत्व

◆◆◆

ज्ञान शांति मैत्री 2016
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
पूर्व शिक्षा निदेशालय

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-018

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 2

विशेषज्ञता विषय (मानव संसाधन) मानव संसाधन प्रबंध और विकास

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : मानव संसाधन नियोजन की अवधारणा स्पष्ट करते हुए, आवश्यकता, प्रक्रिया एवं विधियों का विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 02 : मानव संसाधन प्रबंधों में निष्पादन मूल्यांकन के महत्व का विस्तार से वर्णन करते हुए 360 डिग्री निष्पादन मूल्यांकन का सविस्तार वर्णन करें ।

प्रश्न 03 : कार्य संवर्धन का आशय स्पष्ट करें। कार्य संवर्धन की तकनीक एवं उसके विभिन्न चरणों को स्पष्ट करें।

प्रश्न 04 : प्रशिक्षण एवं अधिशासी विकास क्या है। इसकी आवश्यकता पर सविस्तार चर्चा करें?

प्रश्न 05 : व्यवसायिक संगठनों में "प्रशिक्षण एवं विकास" हेतु किन-किन पद्धतियों का उपयोग किया जाता है ? सूचीबद्ध करें। किन्हीं तीन पद्धतियों का विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 06 : भारत में मानव संसाधन विकास की उभरती पद्धतियों की व्याख्या करते हुए आधुनिक सिद्धांतों का सविस्तार वर्णन करें।

प्रश्न 07 : मानव संसाधन प्रबंध में निष्पादन मूल्यांकन के लाभ एवं दोष विस्तार सहित लिखें। निष्पादन मूल्यांकन के सिद्धांत पर विस्तार से चर्चा करें।

प्रश्न 08 : व्यावसायिक संगठनों के प्रशिक्षण के उद्देश्य सूचीबद्ध करें? प्रशिक्षण के महत्व एवं उसके लाभों पर विस्तार से चर्चा करें ? निष्प्रभावी प्रशिक्षण के विभिन्न कारकों पर विस्तार से चर्चा करें।

प्रश्न 09 : कार्य जीवन किस्म का आशय स्पष्ट करें ? कार्य जीवन किस्म को रोजगार की आठ स्थितियों में विभाजित कर उनका विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) संपूर्ण किस्म प्रबंध (ख) कर्मचारी मंत्रणा

(ग) क्षमता प्रबंध (घ) मानव संसाधन विकास एवं भारत

◆◆◆

ज्ञान शांति मैत्री 2016
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
दूर शिक्षा निदेशालय

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-019

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 3

विशेषज्ञता विषय (मानव संसाधन) संगठनात्मक परिवर्तन और विकास

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : उद्देश्यों द्वारा प्रबंध से आप क्या समझाते हैं ? इस प्रबंध प्रक्रिया के आवश्यक कदमों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 02 : परिवर्तन का प्रबंध किस प्रकार किया जाता है ? इसके विभिन्न स्तरों पर विस्तार से चर्चा करें।

प्रश्न 03 : औद्योगिक संस्थाओं द्वारा कर्मचारियों के हितार्थ रखी जाने वाली भविष्य निधि के प्रावधानों का विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 04 : व्यवहार-केंद्रीय हस्तक्षेप का मुख्य उद्देश्य स्पष्ट करें, इस हस्तक्षेप में उपयोगी लोकप्रिय कार्यक्रमों की सूची तैयार करें इस लोकप्रिय कार्यक्रमों में से किन्हीं चार कार्यक्रमों का विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 05 : संगठन विकास में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्रश्न 06 : "विकास सलाहकार" का आशय स्पष्ट करें। संगठन विकास कार्यक्रम में विकास सलाहकार के योगदान का वर्णन विस्तार से करें।

प्रश्न 07 : संगठनात्मक संस्कृति की अवधारणा स्पष्ट करते हुए इसकी प्रमुख विशेषताओं का वर्णन विस्तार से करें।

प्रश्न 08 : संगठनात्मक परिवर्तन की दिशा में उत्पन्न प्रतिरोधों का वर्णन करें। संगठनात्मक परिवर्तन के दौरान परिवर्तन एजेण्ट द्वारा किन-किन पहलुओं में परिवर्तन किया जाता है?

प्रश्न 09 : "दल निर्माण संगठन विकास का सर्वाधिक महत्वपूर्ण व्यापक रूप से स्वीकार की जाने वाली हस्तक्षेप है" इसका विस्तार से चर्चा करें। दल निर्माण हस्तक्षेप के विभिन्न चरणों का विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) परिवर्तन का कर्ट लेविन्स मॉडल

(ख) कर्मचारी संगठन बनाम औद्योगिक नियम

(ग) ग्रिड प्रशिक्षण

(घ) बाधक शक्तियाँ

♦♦♦

ज्ञान शांति मैत्री 2016
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
दूर शिक्षा निदेशालय

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-020

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 4

विशेषज्ञता विषय (मानव संसाधन) औद्योगिक सन्निमय

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।
2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : सामाजिक सुरक्षा की अवधारणा को विवेचित करते हुए इसके विभिन्न उद्देश्यों को समझाइए।

प्रश्न 02 : मातृत्व लाभ अधिनियम के उद्देश्यों का वर्णन करते हुए इसके विभिन्न प्रावधानों को स्पष्ट करें।

प्रश्न 03 : भारत में श्रम सन्नियमों की आवश्यकता बताते हुए स्वास्थ्य संबंधी प्रावधानों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 04 : श्रम सन्नियमों के महत्वपूर्ण सिद्धांतों का वर्णन विस्तार से करें।

प्रश्न 05 : न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 के अंतर्गत मजदूरी के विभिन्न सिद्धांतों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 06 : बोनस भुगतान अधिनियम 1965 के अनुसार किस प्रकार के कर्मचारी पर यह अधिनियम लागू नहीं होता ? इसके लिए योग्यता एवं अयोग्यता को स्पष्ट करते हुए भुगतान एवं शास्त्री के प्रावधानों का वर्णन करें।

प्रश्न 07 : कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1998 के अंतर्गत अंशदान का आशय समझाइए। अंशदान भुगतान के संबंध में उपलब्ध प्रावधानों को स्पष्ट करें।

प्रश्न 08 : श्रमिक मुआवजा कानून 1923 के अंतर्गत नियोक्ता श्रमिकों की क्षतिपूर्ति के लिए किन-किन दशाओं में उत्तरदायी होगा ? और कब उत्तरदायी नहीं होगा? विस्तार से लिखें।

प्रश्न 09 : कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों को स्पष्ट करें।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) कर्मचारी राज्य बीमा हितलाभ (ख) उत्पादन के प्रावधान

(ग) कार्य जीवन किस्म (घ) श्रमिकों के दायित्व एवं अधिकार

♦♦♦

ज्ञान शांति मैत्री 2016
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
दूर शिक्षा निदेशालय

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-021

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 1

विशेषज्ञता विषय (वित्त)

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : पूँजी बजटन क्या है ? पूँजी बजटन की प्रमुख विधियाँ समझाइए।

प्रश्न 02 : अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार के महत्व का विस्तारपूर्वक वर्णन करें।

प्रश्न 03 : कार्यशील पूँजी की अवधारणा स्पष्ट करते हुए कार्यशील पूँजी के प्रमुख स्रोतों की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 04 : गुस्ताव का सिद्धांत स्पष्ट करें ? विनियम दर में परिवर्तन रेखाचित्र द्वारा स्पष्ट करें।

प्रश्न 05 : विदेशी प्रत्यक्ष विनियोग के सिद्धांतों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 06 : ABC कंपनी एक मशीन के क्रय का विचार करते हैं। दो तरह के मशीनें X तथा Y उपलब्ध हैं, प्रत्येक की लागत 50, 000 रु. है। कर उपरान्त निम्न आय प्रत्याशित है।

वर्ष	Case In How मशीन X	Case In How मशीन Y
1 वर्ष	15000	5000
2 वर्ष	20000	15000
3 वर्ष	25000	20000
4 वर्ष	15000	30000
5 वर्ष	10000	20000

प्रत्यावर्तन अवधि और प्रत्यावर्तन अवधि के उपरांत लाभदायकता की गणना करते हुए सुझाव दीजिए की किस मशीन को चुनना चाहिए ?

प्रश्न 07 : भुगतान शेष की अवधारणा को परिभाषित कीजिए। भुगतान शेष का महत्व एवं भुगतान शेष में असंतुलन बताइए।

प्रश्न 08 : हस्तांतरण मुख्य के उद्देश्य एवं विधियाँ विस्तार से लिखिए ? हस्तांतरण मुख्य का निर्धारण कैसे होता है ? विस्तार से स्पष्ट करें।

प्रश्न 09 : अंतरराष्ट्रीय सिक्योरिटी बाजार के महत्व का वर्णन विस्तार से करें ? वित्त निगम के कार्य प्रणाली में हुई वृद्धि के विकास को विस्तार से स्पष्ट करें ?

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) ऋणपत्र लागत की विधि

(ख) यूरो बॉन्ड बाजार

(ग) विनियोग निर्णय

(घ) अंतरराष्ट्रीय विकास बैंकिंग

♦♦♦

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-022

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 2

विशेषज्ञता विषय (वित्त)

वित्तीय सेवाओं का प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : सेवा की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। सेवा उद्योग का वर्गीकरण किस आधार पर किया जाता है ?

प्रश्न 02 : "भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सेवा क्षेत्र का आधे से ज्यादा योगदान है"। इस वाक्य पर विस्तार से चर्चा करें।

प्रश्न 03 : वित्तीय सेवाओं में जोखिम के प्रबंध की अवधारणा को उदाहरण के साथ समझाइए।

प्रश्न 04 : म्यूचुअल फंड की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसके विभिन्न प्रकार पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 05 : किराया क्रय पद्धति को परिभाषित करते हुए इसके क्रेता एवं विक्रेता को लाभ तथा हानि पर चर्चा कीजिए।

प्रश्न 06 : वित्तीय सेवाओं का आशय स्पष्ट करते हुए गृहवित्त एवं बैंकिंग सेवाओं का विश्लेषण कीजिए।

प्रश्न 07 : "वित्त आधुनिक आर्थिक संगठन का एक आवश्यक अंग है।" इस वाक्य पर विस्तार से चर्चा करें।

प्रश्न 08 : विपणन मिश्रण को परिभाषित कीजिए। विपणन मिश्रण के विभिन्न तत्वों को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 09 : उत्पाद का अर्थ समझाते हुए उत्पाद एवं उपभोक्ता के बीच संबंध पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) बाजार विभक्तिकरण

(ख) स्टॉक एक्सचेंज परिचालन

(ग) भारतीय अर्थ व्यवस्था में सेवा की भूमिका

(घ) वित्तीय आढ़त

◆◆◆

ज्ञान शांति मैत्री 2016
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
दूर शिक्षा निदेशालय

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 3

विशेषज्ञता विषय (वित्त)

कार्यशील पूँजी प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।
2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : कार्यशील पूँजी की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कार्यशील पूँजी प्रबंध के प्राथमिक उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 02 : प्राप्य प्रबंध से आप क्या समझते हैं ? प्राप्तियों के आकार को प्रभावित करने वाले कारकों की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 03 : प्राप्य प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 04 : कार्यशील पूँजी प्रबंध की मात्रा को निर्धारित करने वाले प्रमुख तत्वों को समझाइए।

प्रश्न 05 : भारतीय मुद्रा बाजार के विविध अंगों का वर्णन करते हुए इसके प्रमुख दोष बताइए।

प्रश्न 06 : मिण्टो बट्ट कंपनी लि. इलाहाबाद का अप्रैल, मई तथा जून 2016 का रोकड बजट तैयार कीजिए ?

माह	विक्रय रु.	क्रय रु.	मजदूरी रु .	कार्यालय व्यय रु.	विक्रय व्यय रु.
जनवरी	80,000/-	45,000/-	20,000/-	4,000/-	1000/-
फरवरी	80,000/-	40,000/-	18,000/-	3,500/-	2500/-
मार्च	75,000/-	42,000/-	22,000/-	3,000/-	3000/-
अप्रैल	90,000/-	50,000/-	24,000/-	5,000/-	2000/-
मई	85,000/-	45,000/-	20,000/-	4,500/-	1500/-
जून	80,000/-	35,000/-	18,000/-	2,500/-	2500/-

अतिरिक्त सूचनाएँ

(1) कंपनी के क्रय का 10% एवं विक्रय का 20% नगद होता है।

प्रश्न जारी ...⇒

(2) कंपनी की औसत वसूली अवधि 15 दिन है और उधार क्रय का भुगतान नियमित रूप से एक माह बाद होता है।

(3) मजदूरी का भुगतान अर्द्धमासिक है, और कार्यालय एवं विक्रय व्यय प्रति माह दिए जाते हैं।

(4) 01 अपैल 2006 को रोकड शेष रु. 15000/- की जा सकती है।

प्रश्न 07 : इन्वेन्ट्री की व्याख्या कीजिए। इन्वेट्री में विनियोग स्तर को निर्धारित करने वाले तत्व समझाइए।

प्रश्न 08 : इन्वेन्ट्री आवर्त्त अनुपात को परिभाषित करते हुए इसके कुशल प्रबंधन पर उदाहरण के साथ चर्चा कीजिए।

प्रश्न 09 : रोकड बजट तैयार करने की विधि को उदाहरण के साथ विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) स्फीति एवं कार्यशील पूँजी

(ख) अवमुख्यन के प्रभाव

(ग) विभेदात्मक विश्लेषण

(घ) आर्थिक आदेश मात्रा

♦♦♦

ज्ञान शांति मैत्री 2016
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
दूर शिक्षा निदेशालय

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-024

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 4

विशेषज्ञता विषय (वित्त)

प्रत्याभूति विश्लेषण एवं पोर्टफोलियो प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : विनियोग का आशय स्पष्ट करते हुए विनियोग के विकल्पों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 02 : प्रत्याय की जोखिम क्या है? इसका विनियोग निर्णय से क्या संबंध है? विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 03 : पूँजी बाजार नियामक संस्थाएँ, उनके कार्य एवं अधिकार को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 04 : प्राथमिक एवं द्वितीयक बाजार क्या है ? विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 05 : पोर्टफोलियो को परिभाषित करते हुए इसके निर्माण की विधियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 06 : पोर्टफोलियो के प्रत्याय का प्रमाण विचलन कैसे निकालते हैं।

प्रश्न 07 : शार्प के सूचकांक मॉडल का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 08 : ट्रेयनर की विधि में प्रमाप विचलन की जोखिम का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 09 : निरंतर परीक्षण को उदाहरण की सहायता से समझाइए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) लाभांश पूँजीकरण विधि

(ख) अभिगोपक

(ग) स्कंध विपणी (Stock Exchange)

(घ) निवेश निष्पादन

♦♦♦

ज्ञान शांति मैत्री 2016
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
दूर शिक्षा निदेशालय

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-025

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 1

विशेषज्ञता विषय (बैंकिंग एवं बीमा)

बैंकिंग के मूलतत्व एवं प्रणालियाँ

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : बैंक की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। बैंकों के वर्गीकरण के आधार पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 02 : भारतीय अर्थव्यवस्था में बैंकों की भूमिका को समझाइए ?

प्रश्न 03 : ई-बैंकिंग की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए इसकी सीमाओं से अवगत कराएँ।

प्रश्न 04 : बैंकों द्वारा दी जा रही विभिन्न सेवाओं को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 05 : "केंद्रीय बैंक अपने देश की सरकार के लिए बैंक एजेंट तथा परामर्शदाता के रूप में कार्य करता है।" इसे विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 06 : भारतीय रिजर्व बैंक के इतिहास पर प्रकाश डालिए तथा इसके नियंत्रण संबंधी अधिकार बताइए।

प्रश्न 07 : बैंकों के सामाजिक नियंत्रण का अर्थ समझाइए। सामाजिक नियंत्रण योजना की उल्लेखनीय विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 08 : क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। क्या यह अपने उद्देश्यों में सफल रहा है? विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 09 : शाखा बैंकिंग एवं इकाई बैंकिंग को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) बैंकर के कर्तव्य

(ख) भूमि विकास बैंक

(ग) मर्चेण्ट बैंकिंग

(घ) बैंकों की नई शाखा खोलने की प्रक्रिया

♦♦♦

ज्ञान शांति मैत्री 2016
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
दूर शिक्षा निदेशालय

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-026

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 2

विशेषज्ञता विषय (बैंकिंग एवं बीमा)

बीमा के सिद्धांत एवं व्यवहार

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : किसी बीमा पॉलिसी हेतु प्रीमियम का निर्धारण किस प्रकार किया जाता है ? प्रीमियम निर्धारक तत्वों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 02 : बीमा की प्रकृति को समाझाइए। बीमा किस प्रकार जीवन स्तर की स्थिरता को बनाये रखने में सहायक होती है, विस्तार से स्पष्ट करें।

प्रश्न 03 : समुद्री बीमा पत्रों के प्रकार बताते हुए उसका वर्गीकरण करें। समुद्री बीमापत्र के प्रकार को विस्तार से स्पष्ट करें।

प्रश्न 04 : सामूहिक बीमा करवाने की विधि का वर्णन करते हुए दावों को निपटाने की प्रक्रिया स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 05 : बीमा अनुबंध से आप क्या समझते हैं ? दोहरा बीमा एवं पुनर्बीमा में अंतर स्पष्ट कीजिए?

प्रश्न 06 : जोखिम से आप क्या समझते हैं? जोखिम के प्रकार सूचीबद्ध करें। किन्ही तीन जोखिम का विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 07 : जीवन बीमा का अर्थ स्पष्ट करें। जीवन बीमा के आवश्यक तत्वों एवं विधि का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 08 : "बीमा योग्य हित" का आशय, महत्व और शर्तें समझाइए। विभिन्न प्रकार की बीमा संविदाओं में किस समय बीमा योग्य हित मौजूद रहना चाहिए ?

प्रश्न 09 : ग्रामीण बीमा पॉलिसी की मुख्यशर्तों का उल्लेख कीजिए ? सामाजिक बीमा तथा ग्रामीण बीमा की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) बीमा एजेंट (ख) अग्नि बीमा दावों का निपटारा

(ग) सामूहिक बीमा के प्रकार (घ) अभिगोपन प्रक्रिया

◆◆◆

ज्ञान शांति मैत्री 2016
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
दूर शिक्षा निदेशालय

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-027

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र सत्रांत/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 3

विशेषज्ञता विषय (बैंकिंग एवं बीमा) बीमा एवं जोखिम प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : वित्तीय जोखिम का आशय स्पष्ट करें। निगमीय वित्तीय जोखिम का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 02 : "बीमा व्यक्ति को चिंतामुक्त करता है"। स्पष्ट करें ? बीमा की व्यावसायिक एवं सामाजिक भूमिका का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 03 : शुद्ध जोखिम के प्रबंधन के उद्देश्य एवं विधियों को स्पष्ट कीजिए। जोखिम प्रबंध में बीमा की भूमिका स्पष्ट करें।

प्रश्न 04 : बीमा सिद्धांत का प्रभाव एवं महत्व स्पष्ट करें। बीमा-क्षेत्र में इस सिद्धांत की उपयोगिता का वर्णन करें। साधारण संविदा के आवश्यक सिद्धांत विस्तार से लिखें।

प्रश्न 05 : बीमा के क्षेत्र में जोखिम प्रबंध सूचना पद्धति का क्या महत्व है ? जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया को स्पष्ट करें।

प्रश्न 06 : बीमा विक्रय विधि की प्रक्रिया का विस्तार से वर्णर करें।

प्रश्न 07 : जोखिम नियंत्रण हेतु प्रयोग में लाए जाने वाले उपकरणों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 08 : विकास अधिकारी की नियुक्ति तथा उसके कर्तव्यों का विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 09 : किन-किन दशाओं में परिवर्तन शुष्क की आवश्यकता नहीं पड़ती है ? विस्तार से उल्लेख करें ?

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) शुद्ध जोखिम का आकलन

(ख) बीमा की भूमिका

(ग) बीमा की लागत

(घ) विकास अधिकारी के गुण

♦♦♦

ज्ञान शांति मैत्री 2016
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
दूर शिक्षा निदेशालय

अनुक्रमांक/नामांकन : प्रश्न-पत्र कोड : MMS-028

व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर (एम बी ए)

चतुर्थ-सत्र सत्रांक/वार्षिक परीक्षा सितंबर 2016 प्रश्न-पत्र 4

विशेषज्ञता विषय (बैंकिंग एवं बीमा) बीमा कंपनियों का प्रबंध

समयावधि : **03** घंटे पूर्णांक : **70**

निर्देश : 1. **अंतिम** प्रश्न अनिवार्य है।

2. शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्रश्न 01 : बीमा कंपनी में वित्तीय नियोजन एवं नियोजन संबंधी रणनीतियों का विस्तार से वर्णन करें

प्रश्न 02 : तीसरे पक्षकार प्रशासक से आप क्या समझते हैं ? सामान्य एवं जीवन बीमा में दावों का निपटारा किस प्रकार किया जाता है ?

प्रश्न 03 : बीमा कंपनियों की विनियोग प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए ? जीवन बीमा के विनियोगों के प्रमुख प्रकारों का विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 04 : बीमा उत्पाद के महत्व का वर्णन करें। उत्पाद विकास के विभिन्न सिद्धांतों का विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 05 : प्रीमियम निर्धारित करने के घटक कौन-कौन से होते हैं ? इसको निर्धारित करने के लिए किन बातों पर ध्यान देना आवश्यक है ? उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

प्रश्न 06 : निगमीय एजेन्ट क्या है ? एजेन्ट के कार्यों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 07 : ई-बीमा व्यावसायिक चुनौतियों का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 08 : जीवन एवं गैर जीवन बीमा का अभिगोपन किस प्रकार किया जाता है ? अभिगोपन के उद्देश्यों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्रश्न 09 : उत्पाद अभिकल्पना विकास को प्रभावित करने वाले तत्वों का विस्तार से वर्णन करें।

प्रश्न 10 : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) ई-बीमा

(ख) निगमीय एजेंट

(ग) संपत्ति-दायित्व प्रबंध

(घ) रेटिंग के प्रकार

♦♦♦